दैनिक भास्कर बीकानेर 25-02-2025

कृषि विश्वविद्यालयः 21वें दीक्षांत समारोह में 1480 अभ्यर्थियों को मिलीं उपाधियां

मेडल प्राप्त करने में बेटियां आगे, यूजी-पीजी के 13 मेधावियों को गोल्ड मेडल, इनमें 9 छात्राएं, 4 छात्र

एजुकेशन रिपोर्टर | बीकानेर

स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय का 21वां दीक्षांत समारोह सोमवार को राज्यपाल हरिभाऊ बागडे के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। समारोह में राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने कृषि संकाय, सामुदायिक विज्ञान संकाय और आईएबीएम के कुल 1480 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान कीं। इनमें 1184 छात्र और 296 छात्राएं हैं।

कृषि संकाय के अंतर्गत स्नातक (यूजी) के 1346, स्नातकोत्तर (पीजी) के 114 और विद्या वाचस्पति (पीएचडी) के 20 विद्यार्थी शामिल हैं। उन्होंने 13 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 2 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। मानवजीत सिंह को स्नातक बीएससी कृषि में तथा उर्मिला भादू को स्नातकोत्तर (कृषि) में कुलाधिपति पदक से सम्मानित किया गया। गोल्ड मेडल हासिल करने में छात्राएं आगे रहीं। गोल्ड मेडल हासिल करने वाले कुल 13 विद्यार्थियों में 9 छात्राएं और 4 छात्र शामिल हैं। राज्यपाल ने दीक्षांत अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक डॉ. मंगला राय को कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉक्टर ऑफ साइंस (कृषि) की मानद उपाधि प्रदान की। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न विषयों पर आधारित 9 प्रकाशनों का विमोचन किया गया। कुलपति डॉ.अरुण कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा 40 उन्नत किस्मों, 15 से अधिक नवीनतम कृषि तकनीकों का विकास किया गया है। दीक्षांत अतिथि डॉ मंगला राय ने कहा कि चने की नई किस्मों पर शोध, बीज उपलब्धता सहित विभिन्न शोध कार्यों के लिए स्वामी केशवानंद विश्विद्यालय के वैज्ञानिक बधाई का पात्र हैं। कृषि विश्वविद्यालयों को नए शोध और अनुसंधान कार्य करने का आह्वान करते हुए मंगला राय ने कहा कि वैश्विक जनसंख्या की बढ़ती आहार आवश्यकता, घटती खेती योग्य जमीन, उर्वरा शक्ति का क्षरण, पानी की कमी, कृषि लागतों में बढ़ोतरी जैसे विषय भविष्य की गंभीर चुनौतियां होंगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व उप महानिदेशक कृषि शिक्षा, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद डॉ.एनएस राठौड़ ने विद्यार्थियों से अपनी दक्षता बढ़ाने के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया। समारोह में महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित, संभागीय आयुक्त डॉ. रवि कुमार सुरपुर, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि और पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सागर, विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार निकया गोएन, वित्त नियंत्रक पवन कस्वां सहित विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर, विद्या परिषद सदस्य सहित आदि शामिल हुए।

राज्यपाल बोले- हर खेत को पानी, हर हाथ का काम समय की जरूरत

राज्यपाल बागड़े ने डिग्री प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों से कहा कि देश की आजादी के समय हमारे देश की जनसंख्या और उत्पादन कम था। आज जनसंख्या बढ़ी है और उत्पादन भी बढ़ा है, लेकिन अब जमीन और पानी सीमित है। इसके मद्देनजर अब इनके समुचित उपयोग की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राजस्थान जैसे प्रदेश में पानी की बहुत कमी है। ऐसे में पानी को रोकना बहुत जरूरी है। इससे भूजल स्तर सुधरेगा और भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी। ''हर खेत को पानी, हर हाथ को काम'' की अवधारणा को साकार करना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। राज्यपाल ने डिग्री प्राप्त करने वाले कृषि विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि कृषि विश्वविद्यालय कृषि की नई तकनीकें इजाद करें और किसानों तक इन्हें पहुंचाएं।

भवन और छात्रावास का किया लोकार्पण

इससे पहले राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने पट्टिका का अनावरण कर स्व. रामनारायण चौधरी कृषि महाविद्यालय, मंडावा (झुंझुनू) के महाविद्यालय भवन, छात्रावास भवन का लोकार्पण किया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिसर में प्रारम्भ किए गए ''आपणो कृषि बाजार'' का लोकार्पण भी किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस बाजार का किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। साथ ही खाद्य प्रसंस्करण और विश्विद्यालय द्वारा उत्पादित प्रोडक्ट भी आमजन को इस बाजार के माध्यम से आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे।

इन छात्र-छात्राओं को मिला गोल्ड मेडल

इसमें निधि सोनी, मानवजीत सिंह, सुखमनी कौर, स्मृति भारद्वाज, अभिजीत पुरोहित, सागर, उर्मिला भादू, सुनील कुमार जांगिड़, दीपिका वर्मा, उषा, निधि लेखरा, जयश्री राजपुरोहित, शिप्रा शर्मा आदि शामिल हैं।

पत्रिका

फोटो स्टोरी

दीक्षांत समारोह: 13 विद्यार्थियों को मिला स्वर्ण पदक

बीकानेर @ पत्रिका. एसकेआरएयू के दीक्षांत समारोह में 13 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने निधि सोनी, मानवजीत सिंह, सुखमणी कौर, स्मृति भारद्वाज, अभिजीत पुरोहित, सागर, उर्मिला भादू, सुनील कुमार, दीपिका वर्मा, निधि लेखरा, जयश्री राजपुरोहित, शिप्रा शर्मा व उषा को मेडल प्रदान किया। वहीं मानवजीत सिंह को स्नातक बीएससी कृषि में तथा उर्मिला भादू को स्नातकोत्तर (कृषि) में कुलाधिपति पदक से सम्मानित किया गया।

राज्यपाल ने अभिलेखागार संग्रहालय का किया अवलोकन

दस्तावेज हमारे इतिहास, संस्कृति और परम्पराओं के जीवंत प्रमाण

बीकानेर @ पत्रिका. राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सोमवार को बीकानेर प्रवास के दौरान राजस्थान राज्य अभिलेखागार के अभिलेखागार संग्रहालय का अवलोकन किया। राज्यपाल ने महाराणा प्रताप दीर्घा, स्वतंत्रता सेनानी गैलेरी के अलावा ऐतिहासिक दस्तावेजों तथा महत्वपूर्ण अभिलेखों, संग्रहालय में राजस्थान के ऐतिहासिक, प्रशासनिक और सांस्कृतिक विकास से जुड़े विभिन्न अभिलेखीय दस्तावेजों को देखा। शाही फरमान, महाराणा प्रताप कालीन ताम्रपत्र देखकर इनके संरक्षण कार्य की सराहना की। राज्यपाल ने कहा कि अभिलेखागार

संग्रहालय में संरक्षित दस्तावेज हमारे इतिहास, संस्कृति और परम्पराओं के जीवंत प्रमाण हैं। यह हमें हमारे स्वर्णिम इतिहास से साक्षात करवाते हैं। पुरंदर की संधि के माध्यम से शिवाजी महाराज और राजपूताना के संबंधों की जानकारी मिलती है। राज्यपाल ने कहा कि यह सभी दस्तावेज आने वाली पीढ़ियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इससे युवाओं में इतिहास और संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। अभिलेखागार निदेशक डॉ. नितिन गोयल ने अभिलेखागार की समस्त गतिविधियों के बारे में बताया। इस दौरान संभागीय आयुक्त डॉ. रविकुमार सुरपुर, जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि, पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सागर सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद रहे।

'पोज लाइक ए स्टार' सोशल मीडिया प्रतियोगिता की लॉन्च

बीकानेर @ पत्रिका. राजस्थान अब भारतीय सिनेमा के उत्सव में नई चमक जोड़ने जा रहा है। आईफा-2025 के तहत राजस्थान पर्यटन विभाग ने रोमांचक सोशल मीडिया प्रतियोगिता 'पोज लाइक ए स्टार'लॉन्च की है, जिसमें भाग लेकर सिनेमा प्रेमियों को आईफा 2025 का टिकट जीतने का सुनहरा अवसर मिलेगा। इस अनूठी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को राजस्थान के किसी प्रसिद्ध किले, महल, गलियों या सांस्कृतिक स्थलों पर बॉलीवुड के किसी प्रसिद्ध दृश्य या पोज को रीक्रिएट करना होगा। इस तस्वीर या वीडियो को अपने इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर पोस्ट करना आवश्यक होगा। साथ ही कैप्शन में रीक्रिएटिंग इंडियन सिनेमा मैजिक इन राजस्थान लिखना होगा।

पत्रिका

स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह सम्पन्न

दुनिया में सबसे बड़ा विभाग कृषि, अनाज के बिना देश की तरक्की निरर्थक : राज्यपाल बागड़े

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में कहा कि दुनिया में बने सभी विभागों में सबसे बड़ा विभाग कृषि है। कोई देश चाहे कितनी भी तरक्की कर ले, अनाज नहीं होगा तो क्या होगा। कितने दिन लोग जीवित रहेंगे? इसका महत्व दूरलक्षित है।

राज्यपाल बागड़े ने कहा कि विशाल देश में किसान कटोरा भर-भर कर अनाज देता है। परन्तु जब महत्व देने की बात आती है, तो फिर दूसरों का ध्यान पहले दिलाया जाता है। कृषि को महत्व नहीं मिलता। उसे महत्व देने की जरूरत है। दीक्षांत समारोह में डिग्री पाने वाले विद्यार्थियों को राज्यपाल ने कहा कि यह शिक्षा का अंत नहीं. विद्यार्थी के नवजीवन का आरंभ है। कृषि संकाय में पढ़ाई के बाद दूसरे क्षेत्रों की ओर आकर्षित होने वाले विद्यार्थियों को कहा कि जिस क्षेत्र में शिक्षा प्राप्त की है, उसी क्षेत्र में योगदान दें।

कृषि की महत्ता पर राज्यपाल ने उदाहरण देते हुए कहा कि एक स्कूल में शिक्षक ने विद्यार्थी की परीक्षा ली। उन्होंने एक टेबल पर सोना, पैसा, चांदी, द्रव्य और बाजरा तश्तरियों में रखा। एक-एक विद्यार्थी को बुलाकर पूछा, तो किसी ने सोने को सबसे कीमती बताया तो किसी ने पैसे का महत्व ज्यादा बताया। एक विद्यार्थी ने कहा सबसे महत्वपूर्ण बाजरा है। इसे खाकर ही सोते हैं और जगते हैं। यानी इंसान कितनी भी तरक्की कर ले, अनाज के बिना जीवन ज्यादा दिन नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि लगातार जनसंख्या बढ़ रही है, लेकिन कृषि योग्य भूमि सीमित है। इसे ध्यान रखते हुए भूमि का समुचित उपयोग करने की जरूरत है।

पेमासर में किसानों से संवाद कार्यक्रम

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की ओर से गोद लिए गए गांव पेमासर में किसानों से संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि किसान खेती के साथ पशुपालन, डेयरी और उद्यानिकी आधारित उद्योगों को अपनाएं। बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ें, ग्रामीण क्षेत्रों में युवा और महिलाओं के कौशल का विकास करें। उन्होंने कहा कि विवि की ओर से सामाजिक दायित्व के तहत पेमासर गांव गोद लिया है। ग्रामवासी इस अवसर का पूरा लाभ लें। खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल ने कहा कि आज राजस्थान विकास की नई राह पर बढ़ रहा है। इसमें किसानों का योगदान महत्वपूर्ण है। सरपंच तोलाराम कूकणा ने आभार व्यक्त किया।

1480 विद्यार्थियों को उपाधि

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने कृषि संकाय, सामुदायिक विज्ञान संकाय और आईएबीएम के 1480 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की। इसमें कृषि संकाय में स्नातक (यूजी) के 1346, स्नातकोत्तर (पीजी) के 114 और विद्या वाचस्पति (पीएचडी) के 20 विद्यार्थी शामिल हैं। राज्यपाल ने 13 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 2 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से नवाजा। मानवजीत सिंह को स्नातक बीएससी कृषि में तथा उर्मिला भादू को स्नातकोत्तर (कृषि) में कुलाधिपति पदक से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति अरूण कुमार भी मौजूद रहे।

ब्रिटेन से पहले भारत में कपास की पैदावार

राज्यपाल बागड़े ने कहा कि कपास हमारे देश में पैदा होता है। इसकी सबसे पहले बुवाई किसने की, इसका जिक्र प्राचीन पुस्तक रूदसम्मत में मिलता है। ऐसे बहुत से कृषि उत्पादों का उल्लेख युजुवेद, ऋग्वेद, पुराने शास्त्रों में होगा। उन्हें खोजकर और शोध कर विद्यार्थियों को देने की जरूरत है।

बागड़े ने कहा कि कपास के पौधे ब्रिटिश शासन से पहले से हमारे यहां हो रहे हैं। एक ब्रिटिश यात्री जब भारत आया, तो उसने वापस जाकर कहा कि भारत बहुत आगे है, वहां तो पौधे पर लगे रोएं से कपड़ा बनता है, उसे पहनते हैं। उस समय इंग्लेंड में कपास से कपड़े बनाने की व्यवस्था नहीं थी।

नए शोध और अनुसंधान की जरूरत

दीक्षांत अतिथि डॉ. मंगला राय ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालयों को नए शोध और अनुसंधान कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वैश्विक जनसंख्या की बढ़ती आहार आवश्यकता, घटती खेती योग्य जमीन, उर्वरा शक्ति का क्षरण, पानी की कमी, कृषि लागत में बढ़ोतरी जैसे विषय भविष्य की गंभीर चुनौतियां होंगी। विशिष्ट अतिथि पूर्व कुलपति डॉ. एनएस राठौड़ ने विद्यार्थियों से अपनी दक्षता बढ़ाने का आह्वान किया। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में बताया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की ओर से विभिन्न विषयों पर आधारित 9 प्रकाशनों का विमोचन किया।

ये रहे उपस्थित

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित, संभागीय आयुक्त डॉ. रवि कुमार सुरपुर, जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि और पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सागर, विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार निकिया गोहाएन, वित्त नियंत्रक पवन कस्वां सहित विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर, विद्या परिषद सदस्य सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

राज्यपाल बागडे ने पेमासर में किसान प्रदर्शनी का किया अवलोकन

किसानों से संवाद कर कौशल विकास और पशुपालन आधारित उद्योग लगाने का किया आह्वान

राजस्थान प्रदीप रिपोर्टर

बीकानेर। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा कि किसान खेती के साथ पशुपालन, डेयरी और उद्यानिकी आधारित उद्योगों को अपनाएं। बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ें, ग्रामीण क्षेत्रों में युवा और महिलाओं के कौशल का विकास करें।

राज्यपाल श्री बागडे ने स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांव पेमासर में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में किसानों से संवाद करते हुए यह उद्गार व्यक्त किए।

श्री बागडे ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा सामाजिक दायित्व के तहत पेमासर गांव गोद लिया है। ग्रामवासी इस अवसर का पूरा लाभ लें।

राज्यपाल ने खेती में रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग पर चिंता जताई और कहा कि इससे भूमि की उर्वरा शक्ति प्रभावित हुई है। यह मानव स्वास्थ्य के लिए भी बेहद हानिकारक है। इससे कैंसर जैसे मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके मद्देनजर उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती की ओर लौटने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा गांव के विकास में हरसंभव मदद की जाए। किसानों को तकनीकी ज्ञान दें। इसमें प्रशासनिक विभागों का सहयोग भी लिया जाए।

खाजूवाला विधायक डॉ विश्वनाथ मेघवाल ने कहा कि आज राजस्थान विकास की नई राह पर बढ़ रहा है। इसमें किसानों का योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के सहयोग से पेमासर में सरसों और मोठ की नई किस्मों पर प्रशिक्षण किया जा रहा है। सहकारी समिति के माध्यम से यहां भंडारण केंद्र प्रारम्भ किया गया है।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने आगंतुकों का स्वागत किया और कहा कि यह गांव के लिए गौरव का विषय है कि राज्यपाल यहां पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा गांव के युवाओं, महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिला प्रशासन के सहयोग से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ सहित अन्य गतिविधियां आयोजित की जा रही है। विश्वविद्यालय का प्रयास है कि पेमासर ?आदर्श कृषि गांव के रूप में विकसित हों। सरपंच श्री तोलाराम कूकणा ने आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर पूर्व कुलपति प्रो. एन एस राठौड़, जिला कलेक्टर श्रीमती नम्रता वृष्णि, पुलिस अधीक्षक श्री कावेन्द्र सिंह सागर, विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार श्री निकया गोएन, वित्त नियंत्रक श्री पवन कस्वां सहित अन्य ग्रामीण, बड़ी संख्या में किसान तथा महिलाएं मौजूद रहे।

राज्यपाल बागडे ने पेमासर में किसान प्रदर्शनी का किया अवलोकन

किसान पशुपालन आधारित उद्योग लगाएं

बीकानेर, (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि किसान खेती के साथ पशुपालन, डेयरी और उद्यानिकी आधारित उद्योगों को अपनाएं। बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ें, ग्रामीण क्षेत्रों में युवा और महिलाओं के कौशल का विकास करें। राज्यपाल बागडे ने स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांव पेमासर में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में किसानों से संवाद करते हुए यह उद्गार व्यक्त किए। राज्यपाल ने खेती में रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग पर चिंता जताई और कहा कि इससे भूमि की उर्वरा शक्ति प्रभावित हुई है। यह मानव स्वास्थ्य के लिए भी बेहद हानिकारक है। इससे कैंसर जैसे मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके मद्देनजर उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती की ओर लौटने का आह्वान किया।

खाजूवाला विधायक डॉ विश्वनाथ मेघवाल ने कहा कि आज राजस्थान विकास की नई राह पर बढ़ रहा है। इसमें किसानों का योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के सहयोग से पेमासर में सरसों और मोठ की नई किस्मों पर प्रशिक्षण किया जा रहा है। सहकारी समिति के माध्यम से यहां भंडारण केंद्र प्रारम्भ किया गया है। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने आगंतुकों का स्वागत किया और कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा गांव के युवाओं, महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिला प्रशासन के सहयोग से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ सहित अन्य गतिविधियां आयोजित की जा रही है।

विश्वविद्यालय का प्रयास है कि पेमासर आदर्श कृषि गांव के रूप में विकसित हों। सरपंच तोलाराम कूकणा ने आभार व्यक्त किया।

खेती और पशुपालन ही राष्ट्र के विकास का आधार : बागडे

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का 21वाँ दीक्षांत समारोह आयोजित

राजस्थान प्रदीप रिपोर्टर

बीकानेर। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा कि जनसंख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन कृषि योग्य भूमि सीमित है। इसे ध्यान रखते हुए इनका समुचित उपयोग किया जाना जरूरी है। राज्यपाल श्री बागडे सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि देश की आजादी के समय हमारे देश की जनसंख्या और उत्पादन कम था। आज जनसंख्या बढ़ी है और उत्पादन बढ़ा है, लेकिन अब जमीन और पानी सीमित है। इसके मद्देनजर अब इनके समुचित उपयोग की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राजस्थान जैसे प्रदेश में पानी की बहुत कमी है। ऐसे में पानी को रोकना बहुत जरूरी है। इससे भूजल स्तर सुधरेगा और भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी।

राज्यपाल ने कहा कि कृषि और पशुपालन हमारी आजीविका का आधार रहा है। खेती और पशुपालन का विकास ही राष्ट्र के विकास की धुरी है। राज्यपाल ने कहा कि %हर खेत को पानी, हर हाथ को काम% की अवधारणा को साकार करना आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

राज्यपाल ने कहा कि डिग्री प्राप्त करने वाले कृषि विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि कृषि विश्वविद्यालय कृषि की नई तकनीकें इजाद करें और किसानों तक इन्हें पहुंचाएं। उन्होंने स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे नवाचारों की सराहना की।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में बताया। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा 40 उन्नत किस्मों, 15 से अधिक नवीनतम कृषि तकनीकों का विकास किया गया है।

दीक्षांत अतिथि डॉ मंगला राय ने कहा कि चने की नई किस्मों पर शोध, बीज उपलब्धता सहित विभिन्न शोध कार्यों के लिए स्वामी केशवानंद विश्विद्यालय के वैज्ञानिक बधाई का पात्र है। कृषि विश्वविद्यालयों को नये शोध और अनुसंधान कार्य करने का आह्वान करते हुए श्री मंगला राय ने कहा कि वैश्विक जनसंख्या की बढ़ती आहार आवश्यकता, घटती खेती योग्य जमीन, उर्वरा शक्ति का क्षरण, पानी की कमी, कृषि लागतों में बढ़ोतरी जैसे विषय भविष्य की गंभीर चुनौतियां होंगी।

विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व कुलपति डॉ. एन. एस. राठौड़ ने विद्यार्थियों से अपनी दक्षता बढ़ाने के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं तथा जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों को देखते हुए उच्च कृषि शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने तथा शिक्षण, अनुसंधान के लिए कृषि विश्वविद्यालयों में निवेश बढ़ाने की जरूरत है।

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल एवं कुलाधिपति द्वारा कृषि संकाय, सामुदायिक विज्ञान संकाय और आईएबीएम के कुल 1480 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। जिसमें कृषि संकाय के अंतर्गत स्नातक (यूजी) के 1346, स्नातकोत्तर (पीजी) के 114 और विद्या वाचस्पति (पीएचडी) के 20 विद्यार्थी शामिल हैं। उन्होंने 13 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 02 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। मानवजीत सिंह को स्नातक बीएससी कृषि में तथा उर्मिला भादू को स्नातकोत्तर (कृषि) में कुलाधिपति पदक से सम्मानित किया गया।

राज्यपाल ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक एवं कृषि अनुसंधान डॉ. मंगला राय को कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राज्यपाल द्वारा डॉक्टर ऑफ साइंस (कृषि) की मानद उपाधि प्रदान की। राज्यपाल द्वारा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न विषयों पर आधारित 9 प्रकाशनों का विमोचन किया गया।

स्व. रामनारायण चौधरी कृषि महाविद्यालय, मंडावा के भवन और छात्रावास भवन का किया लोकार्पण : इससे पहले राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने पट्टिका का अनावरण कर स्व. रामनारायण चौधरी कृषि महाविद्यालय, मंडावा (झुंझुनू) के महाविद्यालय भवन, छात्रावास भवन का लोकार्पण किया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिसर में प्रारम्भ किए गए %आपणो कृषि बाजार% का लोकार्पण भी किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस बाजार का किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। साथ ही खाद्य प्रसंस्करण और विश्विद्यालय द्वारा उत्पादित प्रोडेक्ट भी आमजन को इस बाजार के माध्यम से आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे।

इस अवसर पर महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित, संभागीय आयुक्त डॉ. रवि कुमार सुरपुर, जिला कलेक्टर श्रीमती नम्रता वृष्णि और पुलिस अधीक्षक श्री कावेंद्र सागर, विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार निकया गोएन, वित्त नियंत्रक पवन कस्वां सहित विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर, विद्या परिषद सदस्य सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

किसानों से प्राकृतिक खेती की ओर लौटने का आव्हान

■ -राज्यपाल ने पेमासर में किसानों से किया संवाद, कहा कि किसान खेती के साथ पशुपालन, डेयरी और उद्यानिकी आधारित उद्योगों को अपनाए

बीकानेर,(कासं)।राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि किसान खेती के साथ पशुपालन, डेयरी और उद्यानिकी आधारित उद्योगों को अपनाएं। बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ें, ग्रामीण क्षेत्रों में युवा और महिलाओं के कौशल का विकास करें।

राज्यपाल ने स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांव पेमासर में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में किसानों से संवाद करते हुए यह उद्गार व्यक्त किए। बागडे ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा सामाजिक दायित्व के तहत पेमासर गांव गोद लिया है। ग्रामवासी इस अवसर का पूरा लाभ लें।

राज्यपाल ने खेती में रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग पर चिंता जताई और कहा कि इससे भूमि की उर्वरा शक्ति प्रभावित हुई है। यह मानव स्वास्थ्य के लिए भी बेहद हानिकारक है। इससे कैंसर जैसे मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके मद्देनजर उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती की ओर लौटने का आव्हान किया। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा गांव के विकास में हरसंभव मदद की जाए। किसानों को तकनीकी ज्ञान दें। इसमें प्रशासनिक विभागों का सहयोग भी लिया जाए।

खाजूवाला विधायक डॉ विश्वनाथ मेघवाल ने कहा कि आज राजस्थान विकास की नई राह पर बढ़ रहा है। इसमें किसानों का योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के सहयोग से पेमासर में सरसों और मोठ की नई किस्मों पर प्रशिक्षण किया जा रहा है। सहकारी समिति के माध्यम से यहां भंडारण केन्द्र प्रारम्भ किया गया है। कुलपति डॉ अरूण कुमार ने आगंतुकों का स्वागत किया और कहा कि यह गांव के लिए गौरव का विषय है कि राज्यपाल यहां पहुंचे है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा गांव के युवाओं, महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिला प्रशासन के सहयोग से बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ सहित अन्य गतिविधियां आयोजित की जा रही है। विश्वविद्यालय का प्रयास है कि पेमासर आदर्श कृषि गांव के रूप में विकसित हों।

सरपंच तोलाराम कूंकणा ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पूर्व कुलपति प्रो. एन. एस. राठौड़, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि, पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर, विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार निकया गोएन, वित्त नियंत्रक पवन कस्वां सहित अन्य ग्रामीण, बड़ी संख्या में किसान तथा महिलाएं मौजूद थे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि सड़कों पर बढ़ते वाहनों के अत्यधिक दवाब के कारण सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। यह बेहद चिंताजनक है। इस पर प्रभावी नियंत्रण के लिए वाहन चालकों को स्वप्रेरित होकर यातायात नियमों की पालना करनी चाहिए।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को बीकानेर के राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के सभागार में इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, पुलिस प्रशासन, परिवहन विभाग और ट्रोमा सेंटर द्वारा आयोजित सड़क सुरक्षा कार्यशाला के दौरान यह उद्गार व्यक्त किए।

राज्यपाल बागडे ने कहा कि सड़क सुरक्षा जैसे संवेदनशील विषय पर यह पहल महत्वपूर्ण है। ऐसे कार्यक्रमों के जरिए आमजन को यातायात नियमों की पालना के मार्गदर्शन के साथ सड़क पर सुरक्षित यात्रा के लिए निरंतर जागरूक किया जाए। राज्यपाल ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा आगामी एक माह को 'नो एक्सीडेंट मंथ' के रूप में मनाया जाए। इसके लिए प्रचार-प्रसार का विशेष अभियान चलाया जाए। इसके लिए सामूहिक प्रयास किए जाएं, जिससे बीकानेर इस क्षेत्र में नजीर बने। राज्यपाल ने कहा कि सुरक्षित परिवहन आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। ज्यादातर मामलों में दुर्घटनाएं या तो लापरवाही के कारण होती हैं या सड़क उपयोगकर्ता की सड़क सुरक्षा जागरूकता की कमी के कारण होती है। सड़क दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण नशा करके वाहन चलाना और इस दौरान मोबाइल का उपयोग करना है। उन्होंने कहा कि वाहन मालिक भी चालकों को नियमित रूप से सुरक्षित परिवहन के लिए प्रेरित करें।

इससे पहले राज्यपाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के स्टेट वाइस चेयरमैन विजय खत्री ने स्वागत उद्बोधन दिया और सोसायटी के कार्यों के बारे में बताया।

खेती-पशुपालन राष्ट्र के विकास का आधार- राज्यपाल बागड़े

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का 21वाँ दीक्षांत समारोह आयोजित

नगर संवाददाता

बीकानेर, (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि जनसंख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन कृषि योग्य भूमि सीमित है। इसे ध्यान रखते हुए इनका समुचित उपयोग किया जाना जरूरी है। राज्यपाल बागडे सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि देश की आजादी के समय हमारे देश की जनसंख्या और उत्पादन कम था। आज जनसंख्या बढ़ी है और उत्पादन बढ़ा है, लेकिन अब जमीन और पानी सीमित है। इसके मद्देनजर अब इनके समुचित उपयोग की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राजस्थान जैसे प्रदेश में पानी की बहुत कमी है। ऐसे में पानी को रोकना बहुत जरूरी है। इससे भूजल स्तर सुधरेगा और भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी। राज्यपाल ने कहा कि कृषि और पशुपालन हमारी आजीविका का आधार रहा है। खेती और पशुपालन का विकास ही राष्ट्र के विकास की धुरी है। उन्होंने स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे नवाचारों की सराहना की।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में बताया। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा 40 उन्नत किस्मों, 15 से अधिक नवीनतम कृषि तकनीकों का विकास किया गया है। दीक्षांत अतिथि डॉ मंगला राय ने कहा कि चने की नई किस्मों पर शोध, बीज उपलब्धता सहित विभिन्न शोध कार्यों के लिए स्वामी केशवानंद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक बधाई का पात्र है।

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल एवं कुलाधिपति द्वारा कृषि संकाय, सामुदायिक विज्ञान संकाय और आईएसएम के कुल 1480 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। जिसमें कृषि संकाय के अंतर्गत स्नातक (यूजी) के 1346, स्नातकोत्तर (पीजी) के 114 और विद्या वाचस्पति (पीएचडी) के 20 विद्यार्थी शामिल है। उन्होंने 13 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 02 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया राज्यपाल द्वारा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न विषयों पर आधारित 9 प्रकाशनों का विमोचन किया गया।

स्व. रामनारायण चौधरी कृषि महाविद्यालय, मंडावा के भवन और छात्रावास भवन का लोकार्पण

इससे पहले राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने पट्टिका का अनावरण कर स्व. रामनारायण चौधरी कृषि महाविद्यालय, मंडावा (झुंझुनू) के महाविद्यालय भवन, छात्रावास भवन का लोकार्पण किया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिसर में प्रारम्भ किए गए आपणो कृषि बाजार का लोकार्पण भी किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस बाजार का किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

खेती और पशुपालन ही राष्ट्र के विकास का आधार-महामहिम

कामयाब कलम रिपोर्टर।

बीकानेर। महामहिम राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि जनसंख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन कृषि योग्य भूमि सीमित है। इसे ध्यान रखते हुए इनका समुचित उपयोग किया जाना जरूरी है। वे सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होने कहा कि देश की आजादी के समय हमारे देश की जनसंख्या और उत्पादन कम था। आज जनसंख्या बढ़ी है और उत्पादन बढ़ा है, लेकिन अब जमीन और पानी सीमित है। इसके मद्देनजर अब इनके समुचित उपयोग की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राजस्थान जैसे प्रदेश में पानी की बहुत कमी है। ऐसे में पानी को रोकना बहुत जरूरी है। इससे भूजल स्तर सुधरेगा और भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी। राज्यपाल ने कहा कि कृषि और पशुपालन हमारी आजीविका का आधार रहा है। खेती और पशुपालन का विकास ही राष्ट्र के विकास की धुरी है। राज्यपाल ने कहा कि 'हर खेत को पानी, हर हाथ को काम' की अवधारणा को साकार करना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। समारोह में कुलपति डॉ अरुण कुमार ने स्वागत उद्बोधन दिया। दीक्षांत अतिथि डॉ मंगला राय ने कहा कि चने की नई किस्मों पर शोध, बीज उपलब्धता सहित विभिन्न शोध कार्यों के लिए स्वामी केशवानंद विश्विद्यालय के वैज्ञानिक बधाई का पात्र है। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व कुलपति डॉ. एन. एस. राठौड़ ने विद्यार्थियों से अपनी दक्षता बढ़ाने के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया।

1480 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल एवं कुलाधिपति द्वारा कृषि संकाय, सामुदायिक विज्ञान संकाय और आईएबीएम के कुल 1480 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। जिसमें कृषि संकाय के अंतर्गत स्नातक के 1346, स्नातकोत्तर के 114 और विद्या वाचस्पति के 20 विद्यार्थी शामिल हैं। उन्होंने 13 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 02 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। मानवजीत सिंह को स्नातक बीएससी कृषि में तथा उर्मिला भादू को स्नातकोत्तर में कुलाधिपति पदक से सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक एवं कृषि अनुसंधान डॉ. मंगला राय को कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राज्यपाल द्वारा डॉक्टर ऑफ साइंस (कृषि) की मानद उपाधि प्रदान की। राज्यपाल द्वारा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न विषयों पर आधारित 9 प्रकाशनों का विमोचन किया गया। इससे पहले राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने पट्टिका का अनावरण कर स्व. रामनारायण चौधरी कृषि महाविद्यालय, मंडावा के महाविद्यालय भवन, छात्रावास भवन का लोकार्पण किया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिसर में प्रारम्भ किए गए 'आपणो कृषि बाजार' का लोकार्पण भी किया गया। समारोह में महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित, संभागीय आयुक्त डॉ. रवि कुमार सुरपुर, जिला कलेक्टर श्रीमती नम्रता वृष्णि और पुलिस अधीक्षक श्री कावेंद्र सागर, विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार निकया गोएन, वित्त नियंत्रक पवन कस्वां सहित विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर, विद्या परिषद सदस्य सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

पेमासर में किसान प्रदर्शनी का किया अवलोकन

राज्यपाल ने स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांव पेमासर में आयोजित किसान प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस मौके पर किसानों से संवाद करते हुए राज्यपाल खेती में रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग पर चिंता जताई और कहा कि इससे भूमि की उर्वरा शक्ति प्रभावित हुई है। यह मानव स्वास्थ्य के लिए भी बेहद हानिकारक है। इससे कैंसर जैसे मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके मद्देनजर उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती की ओर लौटने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा गांव के विकास में हरसंभव मदद की जाए। किसानों को तकनीकी ज्ञान दें। इसमें प्रशासनिक विभागों का सहयोग भी लिया जाए। इस अवसर पर खाजूवाला विधायक डॉ.विश्वनाथ, कुलपति डॉ अरुण कुमार, पूर्व कुलपति प्रो. एन एस राठौड़, जिला कलेक्टर श्रीमती नम्रता वृष्णि, पुलिस अधीक्षक श्री कावेन्द्र सिंह सागर, विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार श्री निकया गोएन, वित्त नियंत्रक श्री पवन कस्वां सहित अन्य ग्रामीण, बड़ी संख्या में किसान तथा महिलाएं मौजूद रहे।

दैनिक भास्कर बीकानेर 25-02-2025

कृषि विश्वविद्यालयः 21वें दीक्षांत समारोह में 1480 अभ्यर्थियों को मिलीं उपाधियां

मेडल प्राप्त करने में बेटियां आगे, यूजी-पीजी के 13 मेधावियों को गोल्ड मेडल, इनमें 9 छात्राएं, 4 छात्र

एजुकेशन रिपोर्टर | बीकानेर

स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय का 21वां दीक्षांत समारोह सोमवार को राज्यपाल हरिभाऊ बागडे के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। समारोह में राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने कृषि संकाय, सामुदायिक विज्ञान संकाय और आईएबीएम के कुल 1480 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान कीं। इनमें 1184 छात्र और 296 छात्राएं हैं।

कृषि संकाय के अंतर्गत स्नातक (यूजी) के 1346, स्नातकोत्तर (पीजी) के 114 और विद्या वाचस्पति (पीएचडी) के 20 विद्यार्थी शामिल हैं। उन्होंने 13 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 2 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। मानवजीत सिंह को स्नातक बीएससी कृषि में तथा उर्मिला भादू को स्नातकोत्तर (कृषि) में कुलाधिपति पदक से सम्मानित किया गया। गोल्ड मेडल हासिल करने में छात्राएं आगे रहीं। गोल्ड मेडल हासिल करने वाले कुल 13 विद्यार्थियों में 9 छात्राएं और 4 छात्र शामिल हैं। राज्यपाल ने दीक्षांत अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक डॉ. मंगला राय को कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉक्टर ऑफ साइंस (कृषि) की मानद उपाधि प्रदान की। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न विषयों पर आधारित 9 प्रकाशनों का विमोचन किया गया। कुलपति डॉ.अरुण कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा 40 उन्नत किस्मों, 15 से अधिक नवीनतम कृषि तकनीकों का विकास किया गया है। दीक्षांत अतिथि डॉ मंगला राय ने कहा कि चने की नई किस्मों पर शोध, बीज उपलब्धता सहित विभिन्न शोध कार्यों के लिए स्वामी केशवानंद विश्विद्यालय के वैज्ञानिक बधाई का पात्र हैं। कृषि विश्वविद्यालयों को नए शोध और अनुसंधान कार्य करने का आह्वान करते हुए मंगला राय ने कहा कि वैश्विक जनसंख्या की बढ़ती आहार आवश्यकता, घटती खेती योग्य जमीन, उर्वरा शक्ति का क्षरण, पानी की कमी, कृषि लागतों में बढ़ोतरी जैसे विषय भविष्य की गंभीर चुनौतियां होंगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व उप महानिदेशक कृषि शिक्षा, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद डॉ.एनएस राठौड़ ने विद्यार्थियों से अपनी दक्षता बढ़ाने के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया। समारोह में महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित, संभागीय आयुक्त डॉ. रवि कुमार सुरपुर, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि और पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सागर, विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार निकया गोएन, वित्त नियंत्रक पवन कस्वां सहित विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर, विद्या परिषद सदस्य सहित आदि शामिल हुए।

राज्यपाल बोले- हर खेत को पानी, हर हाथ का काम समय की जरूरत

राज्यपाल बागड़े ने डिग्री प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों से कहा कि देश की आजादी के समय हमारे देश की जनसंख्या और उत्पादन कम था। आज जनसंख्या बढ़ी है और उत्पादन भी बढ़ा है, लेकिन अब जमीन और पानी सीमित है। इसके मद्देनजर अब इनके समुचित उपयोग की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राजस्थान जैसे प्रदेश में पानी की बहुत कमी है। ऐसे में पानी को रोकना बहुत जरूरी है। इससे भूजल स्तर सुधरेगा और भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी। ''हर खेत को पानी, हर हाथ को काम'' की अवधारणा को साकार करना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। राज्यपाल ने डिग्री प्राप्त करने वाले कृषि विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि कृषि विश्वविद्यालय कृषि की नई तकनीकें इजाद करें और किसानों तक इन्हें पहुंचाएं।

भवन और छात्रावास का किया लोकार्पण

इससे पहले राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने पट्टिका का अनावरण कर स्व. रामनारायण चौधरी कृषि महाविद्यालय, मंडावा (झुंझुनू) के महाविद्यालय भवन, छात्रावास भवन का लोकार्पण किया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिसर में प्रारम्भ किए गए ''आपणो कृषि बाजार'' का लोकार्पण भी किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस बाजार का किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। साथ ही खाद्य प्रसंस्करण और विश्विद्यालय द्वारा उत्पादित प्रोडक्ट भी आमजन को इस बाजार के माध्यम से आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे।

इन छात्र-छात्राओं को मिला गोल्ड मेडल

इसमें निधि सोनी, मानवजीत सिंह, सुखमनी कौर, स्मृति भारद्वाज, अभिजीत पुरोहित, सागर, उर्मिला भादू, सुनील कुमार जांगिड़, दीपिका वर्मा, उषा, निधि लेखरा, जयश्री राजपुरोहित, शिप्रा शर्मा आदि शामिल हैं।

खेती और पशुपालन ही राष्ट्र के विकास का आधार- राज्यपाल बागडे

खबर एक्सप्रेस

बीकानेर, 24 फरवरी। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि जनसंख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन कृषि योग्य भूमि सीमित है। इसे ध्यान रखते हुए इनका समुचित उपयोग किया जाना जरुरी है।

राज्यपाल बागडे सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि देश की आजादी के समय हमारे देश की जनसंख्या और उत्पादन कम था। आज जनसंख्या बढ़ी है और उत्पादन बढ़ा है, लेकिन अब जमीन और पानी सीमित है। इसके मद्देनजर अब इनके समुचित उपयोग की जरुरत है। उन्होंने कहा कि राजस्थान जैसे प्रदेश मे पानी की बहुत कमी है। ऐसे मे पानी को रोकना बहुत जरुरी है। इससे भूजल स्तर सुधरेगा और भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी।

राज्यपाल ने कहा कि कृषि और पशुपालन हमारी आजिविका का आधार रहा है। खेती और पशुपालन का विकास ही राष्ट्र के विकास की धुरी है। राज्यपाल ने कहा कि 'हर खेत को पानी, हर हाथ को काम' की अवधारणा को साकार करना आज की सबसे बड़ी जरुरत है।

राज्यपाल ने कहा कि डिग्री प्राप्त करने वाले कृषि विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि कृषि विश्वविद्यालय कृषि की नई त क न ी के इजाद करें और किसानों तक इन्हें पहुंचाएं। उन्होंने स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे नवाचारों की सराहना की। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे मे बताया। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा 40 उन्नत किस्मों, 15 से अधिक नवीनतम कृषि तकनीकों का विकास किया गया है।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने पेमासर में किसान प्रादर्शनी का किया अवलोकन

दीक्षांत अतिथि डॉ मंगला राय ने कहा कि चने की नई किस्मों पर शोध, बीज उपलब्धता सहित विभिन्न शोध कार्यों के लिए स्वामी केशवानंद विश्विद्यालय के वैज्ञानिक बधाई का पात्र है। कृषि विश्वविद्यालयों को नये शोध और अनुसंधान कार्य करने का आह्वान करते हुए मंगला राय ने कहा कि वैश्विक जनसंख्या की बढ़ती आहार आ व श्य क ता, घटती खेती योग्य जमीन, उर्वरा शक्ति का क्षरण, पानी की कमी, कृषि लागतों मे बढ़ोतरी जैसे विषय भविष्य की गंभीर चुनौतियां होगी।

विशिष्ट अतिथि के रुप मे पूर्व कुलपति डॉ. एन. एस. राठौड़ ने विद्यार्थियों से अपनी दक्षता बढ़ाने के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं तथा जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों को देखते हुए उच्च कृषि शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने तथा शिक्षण, अनुसंधान के लिए कृषि विश्वविद्यालयों मे निवेश बढ़ाने की जरुरत है। दीक्षांत समारोह मे राज्यपाल एवं कुलाधिपति द्वारा कृषि संकाय, सामुदायिक विज्ञान संकाय और आईएबीएम के कुल 1480 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। जिसमे कृषि संकाय के अंतर्गत सतक (यू) के 1346, सतकोत्तर (पी) के 114 और विद्या वाचस्पति (पीएचडी) के 20 विद्यार्थी शामिल है। उन्होंने 13 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 02 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। मानवत सिंह को सतक बीएससी कृषि मे तथा उर्मिला भादू को सतकोत्तर (कृषि) मे कुलाधिपति पदक से सम्मानित किया गया।

राज्यपाल ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक एवं कृषि अनुसंधान डॉ. मंगला राय को कृषि के क्षेत्र मे उत्कृष्ट योगदान के लिए राज्यपाल द्वारा डॉक्टर ऑफ साइंस (कृषि) की मानद उपाधि प्रदान की। राज्यपाल द्वारा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न विषयों पर आधारित 9 प्रकाशनों का विमोचन किया गया।

स्व. रामनारायण चौधरी कृषि महाविद्यालय, मंडावा के भवन और छात्रावास भवन का किया लोकार्पण इससे पहले राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने पट्टिका का अनावरण कर स्व. रामनारायणचौधरीकृषिमहाविद्यालय, मंडावा (झुंझुनू) के महाविद्यालय भवन, छात्रावास भवन का लोकार्पण किया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिसर मे प्रारम्भ किए गए 'आपणो कृषि बाजार' का लोकार्पण भी किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस बाजार का किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। साथ ही खाद्य प्रसंस्करण और विश्विद्यालय द्वारा उत्पादित प्रोडेक्ट भी आमजन को इस बाजार के माध्यम से आसानी से उपलब्ध हो सकेगे।

इस अवसर पर महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित, संभागीय आयुक्त डॉ. रवि कुमार सुरपुर, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि और पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सागर, विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार निकया गोएन, वित्त नियंत्रक पवन कस्वां सहित विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर, विद्या परिषद सदस्य सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

लालेश्वर महादे

खबर एक्सप्रेस

बीकानेर। लालेश्वर महादेव मंदिर शिवमठ शिवबाड़ी मे 26 फरवरी, शुक्रवार, फाल्गुन कृष्ण-त्रियोदशी को महाशिवरात्रि महोत्सव

पत्रिका

फोटो स्टोरी

दीक्षांत समारोह: 13 विद्यार्थियों को मिला स्वर्ण पदक

बीकानेर @ पत्रिका. एसकेआरएयू के दीक्षांत समारोह में 13 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने निधि सोनी, मानवजीत सिंह, सुखमणी कौर, स्मृति भारद्वाज, अभिजीत पुरोहित, सागर, उर्मिला भादू, सुनील कुमार, दीपिका वर्मा, निधि लेखरा, जयश्री राजपुरोहित, शिप्रा शर्मा व उषा को मेडल प्रदान किया। वहीं मानवजीत सिंह को स्नातक बीएससी कृषि में तथा उर्मिला भादू को स्नातकोत्तर (कृषि) में कुलाधिपति पदक से सम्मानित किया गया।

राज्यपाल ने अभिलेखागार संग्रहालय का किया अवलोकन

दस्तावेज हमारे इतिहास, संस्कृति और परम्पराओं के जीवंत प्रमाण

बीकानेर @ पत्रिका. राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सोमवार को बीकानेर प्रवास के दौरान राजस्थान राज्य अभिलेखागार के अभिलेखागार संग्रहालय का अवलोकन किया। राज्यपाल ने महाराणा प्रताप दीर्घा, स्वतंत्रता सेनानी गैलेरी के अलावा ऐतिहासिक दस्तावेजों तथा महत्वपूर्ण अभिलेखों, संग्रहालय में राजस्थान के ऐतिहासिक, प्रशासनिक और सांस्कृतिक विकास से जुड़े विभिन्न अभिलेखीय दस्तावेजों को देखा। शाही फरमान, महाराणा प्रताप कालीन ताम्रपत्र देखकर इनके संरक्षण कार्य की सराहना की। राज्यपाल ने कहा कि अभिलेखागार

संग्रहालय में संरक्षित दस्तावेज हमारे इतिहास, संस्कृति और परम्पराओं के जीवंत प्रमाण हैं। यह हमें हमारे स्वर्णिम इतिहास से साक्षात करवाते हैं। पुरंदर की संधि के माध्यम से शिवाजी महाराज और राजपूताना के संबंधों की जानकारी मिलती है। राज्यपाल ने कहा कि यह सभी दस्तावेज आने वाली पीढ़ियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इससे युवाओं में इतिहास और संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। अभिलेखागार निदेशक डॉ. नितिन गोयल ने अभिलेखागार की समस्त गतिविधियों के बारे में बताया। इस दौरान संभागीय आयुक्त डॉ. रविकुमार सुरपुर, जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि, पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सागर सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद रहे।

'पोज लाइक ए स्टार' सोशल मीडिया प्रतियोगिता की लॉन्च

बीकानेर @ पत्रिका. राजस्थान अब भारतीय सिनेमा के उत्सव में नई चमक जोड़ने जा रहा है। आईफा-2025 के तहत राजस्थान पर्यटन विभाग ने रोमांचक सोशल मीडिया प्रतियोगिता 'पोज लाइक ए स्टार'लॉन्च की है, जिसमें भाग लेकर सिनेमा प्रेमियों को आईफा 2025 का टिकट जीतने का सुनहरा अवसर मिलेगा। इस अनूठी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को राजस्थान के किसी प्रसिद्ध किले, महल, गलियों या सांस्कृतिक स्थलों पर बॉलीवुड के किसी प्रसिद्ध दृश्य या पोज को रीक्रिएट करना होगा। इस तस्वीर या वीडियो को अपने इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर पोस्ट करना आवश्यक होगा। साथ ही कैप्शन में रीक्रिएटिंग इंडियन सिनेमा मैजिक इन राजस्थान लिखना होगा।

पंजाब केसरी
TUE,25 FEBRUARY 2025
EDITION: RAJASTHAN , PAGE NO. 1

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का 21वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न

खेती और पशुपालन ही राष्ट्र के विकास का आधार : बागडे

■ किसानों तक शोध, अनुसंधान का लाभ पहुंचाने की कड़ी के रूप में काम करें कृषि विश्वविद्यालय

विद्यार्थी को पदक प्रदान करते राज्यपाल हरिभाऊ बागडे। (प्रेम)

बीकानेर, 24 फरवरी (प्रेम): राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि जनसंख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन कृषि योग्य भूमि सीमित है। इसे ध्यान रखते हुए इनका समुचित उपयोग किया जाना जरूरी है। राज्यपाल बागडे सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि देश की आजादी के समय हमारे देश की जनसंख्या और उत्पादन कम था, आज जनसंख्या बढ़ी है और उत्पादन बढ़ा है, लेकिन अब जमीन और पानी सीमित है। इसके मद्देनजर अब इनके समुचित उपयोग की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राजस्थान जैसे प्रदेश में पानी की बहुत कमी है, ऐसे में पानी को रोकना बहुत जरूरी है। इससे भूजल स्तर सुधरेगा और भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी। राज्यपाल ने कहा कि कृषि और पशुपालन हमारी आजीविका का आधार रहा है। खेती और पशुपालन का विकास ही राष्ट्र के विकास की धुरी है।

राज्यपाल ने कहा कि 'हर खेत को पानी, हर हाथ को काम' की अवधारणा को साकार करना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। राज्यपाल ने कहा कि डिग्री प्राप्त करने वाले कृषि विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि कृषि विश्वविद्यालय कृषि की नई तकनीकें इजाद करें और किसानों तक इन्हें पहुंचाएं। उन्होंने स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे नवाचारों की सराहना की।

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में बताया। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा 40 उन्नत किस्मों, 15 से अधिक नवीनतम कृषि तकनीकों का विकास किया गया है।

दीक्षांत अतिथि डॉ. मंगला राय ने कहा कि चने की नई किस्मों पर शोध, बीज उपलब्धता सहित विभिन्न शोध कार्यों के लिए स्वामी केशवानंद विश्विद्यालय के वैज्ञानिक बधाई का पात्र है। कृषि विश्वविद्यालयों को नये शोध और अनुसंधान कार्य करने का आह्वान करते हुए मंगला राय ने कहा कि वैश्विक जनसंख्या की बढ़ती आहार आवश्यकता, घटती खेती योग्य जमीन, उर्वरा शक्ति का क्षरण, पानी की कमी, कृषि लागतों में बढ़ोतरी जैसे विषय भविष्य की गंभीर चुनौतियां होंगी।

विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व कुलपति डॉ. एन.एस. राठौड़ ने विद्यार्थियों से अपनी दक्षता बढ़ाने के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं तथा जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों को देखते हुए उच्च कृषि शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने तथा शिक्षण, अनुसंधान के लिए कृषि विश्वविद्यालयों में निवेश बढ़ाने की जरूरत है। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल एवं कुलाधिपति द्वारा कृषि संकाय, सामुदायिक विज्ञान संकाय और आई.ए.बी.एम. के कुल 1480 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई, जिसमें कृषि संकाय के अंतर्गत स्नातक (यूजी) के 1346, स्नातकोत्तर (पीजी) के 114 और विद्या वाचस्पति (पी.एच.डी.) के 20 विद्यार्थी शामिल हैं।

उन्होंने 13 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 2 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। मानवजीत सिंह को स्नातक बी.एस.सी. कृषि में तथा उर्मिला भादु को स्नातकोत्तर (कृषि) में कुलाधिपति पदक से सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक एवं कृषि अनुसंधान डॉ. मंगला राय को कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राज्यपाल द्वारा डॉक्टर ऑफ साइंस (कृषि) की मानद उपाधि प्रदान की। राज्यपाल द्वारा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न विषयों पर आधारित 9 प्रकाशनों का विमोचन किया गया।

स्व. रामनारायण चौधरी कृषि महाविद्यालय, मंडावा के भवन और छात्रावास भवन का किया लोकार्पण

इससे पहले राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने पट्टिका का अनावरण कर स्व रामनारायण चौधरी कृषि महाविद्यालय, मंडावा (झुंझुनू) के महाविद्यालय भवन, छात्रावास भवन का लोकार्पण किया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिसर में प्रारम्भ किए गए 'आपणो कृषि बाजार' का लोकार्पण भी किया गया। उन्होंने कहा कि इस बाजार का किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

साथ ही खाद्य प्रसंस्करण और विश्विद्यालय द्वारा उत्पादित प्रोडैक्ट भी आमजन को इस बाजार के माध्यम से आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे। इस अवसर पर महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित, संभागीय आयुक्त डॉ. रवि कुमार सुरपुर, जिला कलैक्टर नम्रता वृष्णि और पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सागर, विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार निकया गोहाएन, वित्त नियंत्रक पवन कस्वां सहित विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर, विद्या परिषद सदस्य सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

खेती और पशुपालन है आर्थिक रीढ़ : बागड़े

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विवि के 21वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने प्रदान की उपाधियां

बीकानेर, 24 फरवरी (प्रेम) : राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है, लेकिन कृषि योग्य भूमि सीमित है। इसे ध्यान रखते हुए इनका समुचित उपयोग किया जाना जरूरी है। राज्यपाल बागड़े सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि देश की आजादी के समय हमारे देश की जनसंख्या और उत्पादन कम था। आज जनसंख्या बढ़ी है और उत्पादन भी बढ़ा है, लेकिन अब जमीन और पानी सीमित है। इसके मद्देनजर अब इनके समुचित उपयोग की जरूरत है। इसके लिए जागरूकता चाहिए।

बहते पानी को रोकना जरूरी : उन्होंने कहा कि राजस्थान जैसे प्रदेश में पानी की बहुत कमी है। ऐसे में पानी को रोकना बहुत जरूरी है। इससे भूजल स्तर सुधरेगा और भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी। राज्यपाल ने कहा कि कृषि और पशुपालन हमारी आजीविका का आधार रहा है। खेती और पशुपालन का विकास ही राष्ट्र के विकास की धुरी है।

कृषि की नई नीति बनाएं : राज्यपाल ने कहा कि 'हर खेत को पानी, हर हाथ को काम' की अवधारणा को साकार करना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। डिग्री प्राप्त करने वाले कृषि विद्यार्थियों को देते हुए उन्होंने कहा कि कृषि विवि खेती की नई तकनीकें इजाद करें और किसानों तक इन्हें पहुंचाएं। उन्होंने स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय की ओर से किए जा रहे नवाचारों की सराहना की। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में बताया। कुलपति ने कहा कि विवि की ओर से 40 उन्नत किस्मों 15 से अधिक नवीनतम कृषि तकनीकों का विकास किया गया है।

विद्यार्थी दक्षता बढ़ाएं : दीक्षांत अतिथि डॉ. मंगला राय ने कहा कि चने की नई किस्मों पर शोध, बीज उपलब्धता सहित विभिन्न शोध कार्यों के लिए स्वामी केशवानंद विवि के वैज्ञानिक बधाई का पात्र है। विशिष्ट अतिथि पूर्व कुलपति डॉ. एसएम राठौड़ ने विद्यार्थियों से अपनी-अपनी दक्षता बढ़ाने का आह्वान किया।

1,480 उपाधियां प्रदान : दीक्षांत समारोह में राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने कृषि संकाय, सामुदायिक विज्ञान संकाय और आईएबीएम के कुल 1480 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की। इसमें कृषि संकाय के अंतर्गत स्नातक के 1346, स्नातकोत्तर के 114 और विद्या वाचस्पति के 20 विद्यार्थी शामिल हैं। उन्होंने 13 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 02 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। मानवजीत सिंह को स्नातक बीएससी कृषि में तथा उर्मिला भादू को स्नातकोत्तर (कृषि) में कुलाधिपति पदक से सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने कृषि अनुसंधान डॉ. मंगला राय को कृषि के क्षेत्र में बहुत ही उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉक्टर ऑफ साइंस (कृषि) की मानद उपाधि प्रदान की।